Anand
DATE :
PAGE NO. :

# ऑडियो. विडियो रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर न:-10 दिनांक
ZOOM0001 स्थान - गांव बड़नावा जागीर, ते. पचपदरा
ट्रैक समयावधि 15:
कलाकार का नाम- अरफान खां (गायन, वादन)
पिता का नाम- हैदर खां
पता→ गांव बड़नावा जागीर ते. पचपदरा जिला बाड़मेर (राजस्थान)
सहायक कलाकार

1
2
3

ऑडियो रिकॉर्डिंग का समय
विषय - कथा + गाथा (कथा) (सेठ हीरालाल)
विशेष विवरण -

यह कथा सेठ हीरालाल के जीवन के ऊपर आधारित है। सेठ हीरालाल के पास अनगिनत धन सम्पति होती है। और वह अपना समय ऐस ओ आराम से व्यतीत करता है एक दिन वह अपनी माया की निगेबानी के लिए एक कुमार को नौकरी पर रखता है और उससे केहता है। ये सोना चाँदी ये लेना मत और ये 25 पैसे के सिक्के लेते रहना। काफी समय तक ऐसा चलता रहा। एक दिन उस कुमार कि पत्नी ने कहा कि काफी समय हो गया है आप सेठ हिरालाल की माया की निगेबानी कर रहे हो क्यों ना आज आप हिरे-मोतियों के सिक्के ले आओ। कुमार के मन में लालच आया।

ठीक उसी समय हीरालाल ने भी सोचा कि बहुत समय हो गया है नौकर को रखे हुए को क्यों न एक बार उनको देख लू जैसे ही वह छुपकर देखता है तो वह कुमार सोने और चांदी के सिक्को में हाथ डालने का प्रयास करता है तो एक आवाज आती है कि अपनी हद पार मत करो मुझ पर तेरा और सेठ

Anand
DATE :
PAGE NO. :

हीरालाल का कोई हक नहीं है उस पर एक दरबार के लड़के का हक है जो कि एक डावड़ी के गर्भ में है वह आंख में काणी हाथ में खुखी पैर में लगड़ी है ये सब सेठ हीरालाल सुन लेता है। और सेठ हीरालाल वहां से उस डावड़ी को लेने महल पहुंचता है। तो दरबार उनके सामने अनेको दासियों को पेश करते हैं। लेकिन वह सिर्फ उसी दासि को ले कर आ जाते हैं।

हीरालाल उस दासी का कत्ल कर देता है। जैसे ही हीरालाल उस दासी का कत्ल करता है उसको उसी समय एक लड़का पैदा हो जाता है। एक कुमार उसको पालन पोषण कर बड़ा करता है। फिर एक दिन वह लड़का बड़ा हो जाता है। एक दिन जब हीरालाल अपना हिसाब चुकता करने उस कुमार के घर जाता है तो वह उस लड़के को देख कर हैरान हो जाता है।

और हीरालाल कुमार से पूछता है कि तुम्हारे लड़का कब हुआ तो वह उसको सब कुछ सही-सही बता देता है। हीरालाल उसे मारने की योजना बनाता है। और एक चिठी लिखकर देता है (जिसमे लिखा होता है इसे वहां पहुंचते ही खत्म कर दिया जाय) यह मेरे घर लेकर जाओ वह लड़का चिठी लेकर निकल जाता है तो रास्ते में (बेमाता) उसका अन्त बदल देती है। वह उस चिठी में लिखती है कि इसे महल पहुंचते ही मेरी बेटी से विवाह करा दिया जाय।

सेठ हीरालाल घर आकर अपने बेटे से कहता है कि जो मैंने चिठी में कहा था वो काम किया तो बेटा कहता हां पापा. फिर वह मन्दिर जाते है तो सेठ अपने आदमीयों से कहता है कि जो मेरी बेटी के साथ है उसे खत्म कर देना. किसी कारण से वह लड़का तो बच जाता है और उसके साथ भाई सेठ का लड़का होता है सेठ के आदमी उसे खत्म कर देते हैं। सेठ अपने बेटे की लाश को देखता है तो वह भी अचानक मर जाता है।

Anand
DATE :
PAGE NO. :

इस तरह उस माया पर उस दरबार के लड़के का अधिकार हो जाता है। और उस माया का कहा सही हो जाता है। और सारी धन दौलत पाने के बाद वो अपना जीवन सुखमय व्यतीत करता है।